सेवा संगम

स्मारिका 2013

सेवा भारती मध्यभारत

"मातृछाया" स्वामी रामतीर्थ नगर मैदा मिल के सामने भोपाल (म.प्र.) 462011

दूरभाषः 0755- 2559597, 2762158 ईमेल : swbharti@yahoo.co.in

सेवा संगम – 2013
स्मारिका

❋

वर्ष –2013
विक्रम सम्वत् – 2070

❋

संरक्षक
गोरेलाल बारचे

❋

प्रधान संपादक
प्रदीप खाण्डेकर

❋

परामर्शदाता
अरूण कुलकर्णी

❋

सह संपादक
विनोद आर्य
राजेन्द्र शर्मा ''अक्षर''
रामेन्द्र सिंह
साधना जैन
ओमप्रकाश शर्मा

❋

पता
सेवा भारती (मध्य भारत) भोपाल
स्वामी रामतीर्थ नगर, मैदामिल के सामने
भोपाल – 460011
फोन नं. 0755– 2559597

विषय वस्तु

विवरण	प्रष्ठ संख्या
सेवा क्षेत्र कल्पना, व्याप्ती एवं स्वरूप	1–2
सेवा की प्रतिमूर्ति–माननीय नाना जी देशमुख	3–4
परम वैभव का लक्ष्य सेवा बिना अधूरा	5–6
कार्यकर्ता संगठन का प्रतिबिम्ब	7
सृजन से विसर्जन तक की सेवा	8–10
सेवा समर्पित श्रेष्ठ तपस्वी मा. विष्णुजी	11–13
सेवा : हमारी दृष्टि	14–15
आनंदधाम कर्मयोगी स्व. श्री विष्णु जी की तपोभूमि	16–17
सेवा से ही विश्वास स्थापित होता है	18
सेवा, साधना एवं सत्संग तीनों जरूरी है	19
एक प्रेरक जीवन यात्रा	20–21
सतत् रूप से सेवा कार्य करती सेवा भारती	22
चिकित्सालय आपके द्वार पर	23
वाजपेई नगर संस्कार केन्द्र	24–25
स्वावलम्बन के क्षेत्र में कार्यशील पुष्पलता केन्द्र	26
निःशक्त बालक छात्रावास	27
मातृत्व भाव से कार्य करती भोपाल महिला मंडल	28
नशामुक्ति और नेत्रदान का अनूठा प्रयोग	29
मां शारदा की लीलास्थली का कायाकल्प	30
सेवा भारती मध्यभारत प्रान्त सेवाकार्य	31
झिरी – एक ग्राम जहां सब संस्कृत बोलते हैं	32
सेवा का पुरस्कार	33
मानवता की सेवा ही सच्ची सेवा है	34
अनुशासनयुक्त जीवन से ग्राम में विकास	35–37
वनवासी कल्याण परिषद् स्थापना एवं विकास	38
नर सेवा नारायण सेवा	39
स्वामी विवेकानन्द के मानस गर्भ से जन्मा है – एकल अभियान	40–42
स्वावलम्बन से जागा स्वाभिमान	43
सेवा रूपी अमृत कलश लेकर अवतरित हुई है आरोग्य भारती	44–46
अनजानी और अनदेखी मदद को हरदम तैयार सेवाभारती	47–48
स्वावलम्बन से जागा स्वाभिमान	49–60

संपादकीय

प्राचीन युग से ही सेवा हमारे जीवन का महत्वपूर्ण भाग रहा है अनेको लोगों ने सेवा कार्यों में अपने सरस्य जीवन की आहुति दी है परन्तु आज भी देश के अनेकों क्षेत्रों में जिसमें प्रमुख्य रूप से अभावग्रस्त बस्तियां ग्रामीण अंचल एवं वनवासी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी मूलभूत अतिआवस्यक मूलभूत सुविधाओं से वंचित रखा गया इस हेतु सबल/सुदृढ समाज का यह कर्तव्य है कि वह इस अभाव ग्रस्त जीवनयापन करने वाले लोगों के उत्थान के लिए आगे आकर सेवार्थ कार्यो में अपने आप को समर्पित करें।

इसी भाव के उद्देश्य से सेवा भारती एवं प्रदेश के अनेक क्षेत्रों में जलकल्याणकारी कार्यों में समर्पण भाव से कर्यरत अनेकों संस्थाएं सतत् रूप से प्रयासरत है। सेवा संगम के माध्यम से सेवा के क्षेत्र मे कार्य करने वाली अनेको स्वयं सेवी संस्थाओं को इस समागम के माध्यम से एक धारा में जोड़ने का एक अनूठा प्रयास है जिसे सेवा कार्यो को एक सोच के साथ कार्य सुगन्ता से करते हुए उद्देश्यो को प्राप्त करने में सफलता प्राप्त होगी।

निःस्वार्थ भाव से की गई सेवा व्यक्ति और समाज में अपनत्व और आत्मीय भाव जाग्रत करता है सेवा देश की हो या राष्ट्र की, समाज की हो या व्यक्ति की सदैव कल्याण कारी होती है पुत्र को सदैव अपने माता पिता की निःस्वार्थ भाव से सेवा करनी चाहिए माता पिता की सेवा से बढ़ कर न तो कोई धर्म है न ही पूजा। माता पिता की पूजा के बिना मोक्ष की प्राप्ति संभव नही है।

समाज में दीन–हीन, निर्धन, असहाय प्राणियों की सेवा उनके जीवन स्तर को ऊचा उठाना हमारा मुख्य उद्देश्य होना चाहिए। स्वामी विवेकानंद जी के150वें इस जन्म वर्ष पर हमे संकल्प लेना चाहिए कि असहाय, दीन–हीन, अभावग्रस्त व्यक्तियों की सेवा करना ही हमारा परम धर्म होगा। स्वामी जी के आव्हान कि ''नर सेवा ही नारायण सेवा है दरिद्र नारायण ही तुम्हारे भगवान है उनकी मन वचन कर्म से सेवा करेंगें'' स्वामी जी के इन वाक्यों को अपने हृदय में समाहित करते हुए सेवा संगम के इस पावन अवसर पर इस मार्ग पर चलने का प्रयास करेंगे।

सेवा संगम 2013मे सेवा के क्षेत्र में कार्यरत अनेकों संस्थाओं ने उनके द्वारा किए जा रहे परोपकारी कार्यों से अवगत कराया तथा मेरा मानना है कि ये सभी संस्थाएं सभाज को साथ लेकर अपने उद्देश्यों की पूर्ति और लक्ष्य की ओर पूर्ण क्षमता से अनवरत प्रयासरत रहेगी।

प्रदीप खाण्डेकर

शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री

मध्यप्रदेश शासन
भोपाल – 462004

संक्र. 285, 1 अप्रैल, 2013

संदेश

प्रसन्नता का विषय है कि स्वामी वेविकानन्द जी की 150वीं जयंती के अवसर पर सेवा भारती, भोपाल द्वारा सेवा संगम–2013 का आयोजन तथा स्मारिका का प्रकाशन किया जा रहा है।

स्वामी विवेकानंद के विचार सदैव अनुकरणीय और प्रेरणादायी रहे है। राष्ट्र–निर्माण और समाज के उत्थान के लिये व्यक्ति – निर्माण को महत्वपूर्ण मानने वाले स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को अपनी शक्ति के रचनात्मक उपयोग के लिए प्रेरित किया। सांस्कृतिक और आध्यात्मिक दृष्टि से सम्पन्न भारत का आर्थिक विकास शिक्षा से ही संभव है।

आशा है रामनवमी के पावन पर्व पर सेवा भारती द्वारा आयोजित कार्यक्रम स्वामी विवेकानंद के विचारों का वाहक बनेगा।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित।

(शिवराज सिंह चौहान)

जयंत कुमार मलैया
मंत्री
जल संसाधन, पर्यावारण
(मध्यप्रदेश)

बी–27, स्वामी दयानंद नगर,
भोपाल (म.प्र.)

दूरभाष
मंत्रालय : 2441784
निवास : 2554366
फैक्स : 2675388
विधान सभा : 2440285

क्र.....428...../मं/ज.संसा/पर्या./2.1

भोपाल, दिनांक .....8/4/13.....

संदेश

यह जानकर प्रसन्नता हुई कि स्वामी विवेकानंद जी की 150वीं जयंती के अवसर पर सेवा भारती (मध्य भारत) भोपाल द्वारा स्मारिका ''सेवा संगम 2013'' का आयोजन 19 अप्रैल, 2013 को मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में कर स्मारिका का प्रकाशन किया जा रहा है। इस प्रकार के आयोजनों से जहां स्वामी विवेकानंद द्वारा किये गये कार्यों तथा उनके चरित्र के बारे में उपस्थित विद्वानों से मार्गदर्शन प्राप्त कर जनसमुदाय को सत्कर्मों की ओर अग्रसर होने की प्रेरण मिलती है, वहीं सेवा भारती द्वारा पूर्व में किये गये कार्यो की जानकारी भी स्थायी अभिलेख के रूप में प्राप्त होती है। सेवा भारती द्वारा पूर्व से ही जनसमुदाय के कल्याणार्थ विशेषकर व्यक्ति के चरित्रवान बनाये जाने हेतु सतत् प्रयास किये जा रहे है। प्रस्तावित स्मारिका का प्रकाशन इसी श्रृंखला में एक सराहनीय प्रयास है।

स्मारिका के सफल प्रकाशन हेतु हार्दिक शुभकामनायें।

(जयंत कुमार मलैया)

श्री मा. वि. खाण्डेकर
सचिव. सेवा भारती (मध्य भारत)
''मातृछाया'' स्वामी रामतीर्थ नगर
मैदामिल के सामने, भोपाल